एक्शन थ्रिलर्स किताबों के लेखक मुकुल मानते हैं कि किताबें खूब बिक रही हैं

'पाठकों की कमी नहीं है'

जे रिपोर्टर

जयपुर। 'हर लेखक अपना पाठक वर्ग खुद तैयार करता है। उसके लेखन में पाठकों की रुचि के साथ ही विषय चयन सबसे महत्वपूर्ण केन्द्रबिंदु होता है। यही कारण है कि हल्के विषयों के गंभीर लेखक चेतन भगत को फॉलो करने वाले युवा मुझ जैसे गंभीर विषय के लेखक को भी उतना ही स्थान देते हैं। मेरी 'सलीम मस्ट डाई' और 'लश्कर' आदि पुस्तकें इसका ताजा उदाहरण हैं।' यह कहना है एक्शन थ्रिलर सीरीज पर बेस्टसेलर पुस्तकों के मशहूर लेखक मुकुल देवा का। इस सीरीज की नई पुस्तक 'ब्लॉबैक' के विमोचन कार्यक्रम में शामिल होने शुक्रवार को जयपुर आए मुकुल देवा ने जस्ट जयपुर से बातचीत में बताया कि बढ़ते आतंकवाद के साथ ही इन्हें रोकने के लिए जिम्मेदार संस्था इंटेलिजेंस के विफल होने जैसे गंभीर विषयों पर सरकार और पुलिस के सशक्तिकरण की जरूरत है और वे लेखन के जरिए इसके पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हैं।

आतंकवाद पर चार किताबें

ारतीय सेना में मेजर का पद छोड़ने के साथ ी मैंने भारतीय आतंकवाद और उससे जुड़ी टनाओं को अपने लेखन का माध्यम बनाना य कर लिया था। इस सीरीज की मेरी पहली स्तक 'लश्कर' की कहानी भारत-पाक के ीमावर्ती आतंकवाद पर केन्द्रित है जबकि क 'सलीम मस्ट डाई' में मैंने लिखा कि कस तरह ग्यारह देशों में अलग-अलग हथियारों के इस्तेमाल से भीषण तबाही हो सकती है। नई पुस्तक 'ब्लॉबैक' आतंकवाद में इंटेलिजेंस की भूमिका पर लिखी है, जिसमें मैंने इंटेलिजेंस मिशन के अप्रत्याशित परिणामों के अध्ययन को समाहित किया है। यह एक उपन्यास के रूप में 3-4 लोगों की कहानी है जिसमें हर पात्र की सोच के जरिए मैंने आतंकवाद को समझाने की कोशिश की है। सीरीज की चौथी पुस्तक 'तंजीम' में आतंकवाद के इतिहास का वर्णन होगा, जो अगले साल रिलीज होने जा रही है।

विमोचन सत्र में पाठकों से संवाद करते मुकुल देवा।

फिल्मों का मिला ऑफर

पुस्तक 'लश्कर' के रिलीज के सात दिनों में ही एक फिल्म निर्देशक ने इस पुस्तक पर फिल्म बनाने का ऑफर दिया। उस समय मैंने उन्हें कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया क्योंकि इससे इस सीरीज की मेरी आगामी तीन पुस्तकों का क्रम था। आतंकवाद, अपराध, इंटेलिजेंस आदि ऐसे गंभीर विषय हैं, जिनका कॉन्सेप्ट समझना हर किसी के लिए बेहद जरूरी है। मैं खुद भी लेखन से पहले रोजाना करीब दो घंटे तक इन विषयों पर गहरी रिसर्च करता हूं। एक्शन थ्रिलर पर लिखना कठिन है क्योंकि इसके लिए पुलिस और क्रिमिनल प्रोसेस को समझने के साथ ही तकनीकी तौर पर रिसर्च भी जरूरी होती है।

युवा पहचानें अपनी शक्ति

देश का वर्तमान अब युवाओं के हाथों में है वहीं भविष्य उनके कंधों पर। उन्हें अपनी शक्ति की पहचान कर देश पर छाए राजनीतिक दबाव को समाप्त करना होगा क्योंकि इसके अभाव में सरकार नागरिकों के सुरक्षा के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाएगी और देश के विकास के रास्ते अवरुद्ध होंगे। आतंकवाद को रोकने के लिए इंटेलिजेंस व पुलिस व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा।

ब्लॉबैक का विमोचन

हार्पर कॉलिंस, स्याही और होटल राजपूताना शेरेटन की ओर से होटल परिसर में हुए बुक विमोचन कार्यक्रम में मुकुल देवा की पुस्तक 'ब्लॉबैक' का विमोचन किया गया। स्याही की सीईओ मीता कपूर ने देवा से पुस्तक के विषय में संवाद कर उसके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। मुकुल देवा ने उपस्थितजनों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की।